VOCAL

एम.ए. संगीत

दो वर्षीय चार सेमेस्टर

गायन (कंठ)

सत्र- 2020-21, 2021-2022

प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रश्न-पत्र होंगे। दो सैद्धान्तिक दो प्रायोगिक होंगे। जिसकी अंक समीक्षा सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक 100 (85 प्रश्न पत्र 15 सी.सी.ई (सैद्धांतिक)) के होंगे। प्रायोगिक 100 का होगा।

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रथम सेमेस्टर
101	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त
102	भारतीय संगीत का इतिहास
103	राग गायन (प्रायोगिक)
104	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)
प्रश्नपत्र क्रमांक	**द्वितीय सेमेस्टर**
201	संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धान्त
202	भारतीय संगीत का इतिहास
203	राग गायन (प्रायोगिक)
204	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)
प्रश्नपत्र क्रमांक	**तृतीय सेमेस्टर**
301	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
302	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
303	राग गायन (प्रायोगिक)
304	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)
प्रश्नपत्र क्रमांक	**चतुर्थ सेमेस्टर**
401	व्यवहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र
402	ध्वनि शास्त्र तथा रचना एवं निबंध
403	राग गायन (प्रायोगिक)
404	मंच प्रदर्शन (प्रायोगिक)

नोट :- परियोजना कार्य चतुर्थ सेमेस्टर में होगा।

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर — दिसंबर – 2020

कंठ गायन

समय 3 घंटे

पूर्णांक – 85
आंतरिक 15

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धांतिक

101 संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

ई.1. निम्न लिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन – शुद्ध सारंग, राग श्री, श्याम कल्याण, अहीर भैरव, गुर्जरी तोड़ी, मेघ मल्हार।

ई.2. अ. निम्न लिखित तालों के ठेके को ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लय में लिपिबद्ध करना – एकताल, तीनताल, आड़ा चौताल।
ब. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के रागों में विलंबित एवं मध्यलय की बंदिशों को स्वर लिपिबद्ध करना आलाप, तानों एवं तोड़ों सहित।

ई.3. अ. हारमनी – मैलाडी का अध्ययन।
ब. भारतीय संगीत के सप्तक का विकास।

ई.4. दशविधि – राग वर्गीकरण और राग-रागिनी वर्गीकरण।
शुद्ध छायालग, संकीर्ण तथा आश्रय राग।

ई.5. अ. रस की परिभाषा, रस निष्पत्ति के सिद्धांत भरत एवं विभिन्न आचार्यों के मतानुसार।
ब. – स्वर एवं रस का अन्तर्संबंध।

[signature]

एम० ए० प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

कंठ - गायन

समय 3 घंटे | पूर्णांक - 35
| आंतरिक - 15

द्वितीय प्रश्न पत्र - सैद्धांतिक

102 - भारतीय संगीत का इतिहास

प्र०1. संगीत की उत्पत्ति एवं विकास का अध्ययन भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर।

प्र०2. अ. भारतीय संगीत का इतिहास वैदिक कालीन संगीत परम्परा।
ब. संगीत कला के विकास में सामवेद का योगदान।

प्र०3. अ. पुराण कालीन संगीत कला विस्तृत अध्ययन।
ब. रामायण और महाभारत कालीन समाज में संगीत कला का स्थान एवं महत्व का विस्तृत अध्ययन।

प्र०4. अ. जैन और बौद्ध काल में संगीत का महत्व एवं विकास का अध्ययन।
ब. मौर्य और गुप्तकाल में संगीत कला के विकास और सामाजिक महत्व का विस्तृत अध्ययन।

प्र०5. अ. निम्न लिखित ग्रंथकारों एवं उनके ग्रंथों का सामान्य अध्ययन—
लोचन, अहोबल, श्रीनिवास।
ब. पं० ओंकारनाथ ठाकुर और उस्ताद अब्दुल करीम खाँ का संगीत के विकास में योगदान का विस्तृत अध्ययन।

(हस्ताक्षर)

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

कंठ गायन

समय 1 घंटा — तृतीय प्रश्न पत्र - प्रायोगिक — पूर्णांक 100

103 राग गायन - वादन

ई.1. विस्तृत अध्ययन के राग -
श्याम कल्याण, शुद्ध सारंग, अहीर भैरव, राग श्री, गुजरीतोड़ी।
इन रागों में दक्षता पूर्ण गायन करने का पूर्णाभ्यास।

ई.2. सामान्य अध्ययन के राग -
दुर्गा, मारवा, सोहिनी, मेघमल्हार, भैरवी और बसंत।
इन रागों में दो द्रुत रचनाएं।

ई. पाठ्यक्रम (सैद्धांतिक) के तालों को ताल लगाकर विभिन्न लयकारी में पढ़न्त करने का अभ्यास।

[signature]

स्ना. औ. प्रथम सेमेस्टर - दिसंबर - 2020

कंठ - गायन

समय 1 घंटा

चतुर्थ प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

पूर्णांक 100

104. मंच प्रदर्शन

अ: आमंत्रित श्रोता-दर्शकों के समक्ष अपनी पसंद के किसी भी राग में स्वतंत्र गायन की दक्षतापूर्ण प्रस्तुती।

ब- सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के रागों में से किसी भी राग में परीक्षक द्वारा पूछे जाने पर गायन करने की क्षमता।

स. ~~किसी~~ पाठ्यक्रम के किसी भी राग में निम्नलिखित विधाओं का अभ्यास —
ध्रुपद, धमार, तराना और ठुमरी।

एम० ए० द्वितीय सेमेस्टर – जून 2021

समय 3 घंटे

पूर्णांक - 35
आन्तरिक - 15

कंठ- गायन

प्रथम प्रश्न पत्र - सैद्धांतिक

201 - संगीत के सामान्य एवं व्यवहारिक सिद्धांत

ई. 1 निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –
देवगिरि बिलावल, मारु बिहाग, सूर मल्हार, नायिकी कान्हड़ा, झिंझोटी।

ई. 2. निम्नलिखित तालों के ठेके को ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लयकारियों को लिपिबद्ध करने का अभ्यास –
– चौताल, अष्टमंगल, सवारी पंचम और गजझम्पा

ई. 3. निम्नांकितका अध्ययन – मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, डायटोनिक स्केल, समविभागीय स्वर सप्तक।

ई. 4. – रागवर्गीकरण – थाट राग, राग- रागांग वर्गीकरण।

ई. 5. पाठ्यक्रम के उपर्युक्त रागों में दिये गये तालों में पदों की रचना करना।

(हस्ताक्षर)

एम॰ ए॰ द्वितीय सेमेस्टर — जून 2021

पूर्णांक – 85
आंतरिक 15

एम॰ आर्ट्स

कंठ – गायन

द्वितीय प्रश्न पत्र – सैद्धांतिक

202 – भारतीय संगीत का इतिहास

ई॰1 – भरत एवं शारंगदेव कालिन संगीत – स्वर, श्रुति सारणा का अध्ययन।

ई॰2 – अ॰ चीन, जापान और ईरान के संगीत का विस्तृत अध्ययन।

ब॰ दक्षिण तथा उत्तर भारतीय संगीत पद्धति का विस्तृत अध्ययन।

ई॰3 – अ॰ मध्य युगीन संगीत कला का अध्ययन।

ब॰ संगीत कला के विकास में राजा मानसिंह के योगदान का अध्ययन।

ई॰4 – भारतीय संगीत के विकास में निम्नलिखित आचार्यों के योगदान का विस्तृत अध्ययन —

त्र्यंबक भरती, विष्णु नारायण भातखंडे, विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

ई॰5 – संगीत के विकास में घरानों का योगदान —

ग्वालियर घराना, किराना घराना, जयपुर घराना, आगरा घराना, सेनिया घराना, इमदाद खाँ घराना।

एम० द्वितीय सेमेस्टर - जून 2021

कंठ-गायन

समय 1 घंटा — चतुर्थ प्रश्न पत्र - प्रायोगिक — पूर्णांक 100

204 - मंच-प्रदर्शन

अ. आमंत्रित श्रोता दर्शकों के समक्ष अपने पसंदीदा किसी भी एक राग में दक्षतापूर्ण गायन प्रदर्शन करना।

ब. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रमों के किसी भी एक राग में गायन प्रस्तुत करना।

स. पाठ्यक्रम के किसी भी राग में - ठुमरी, दादरा, टप्पा, भजन आदि गायन शैली प्रस्तुत करना।

अथवा

यमन, जौनपुरी, दरबारी कान्हड़ा, मुल्तानी आदि में सुगम गायन। -

[signature]

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर – दिसंबर - 2021

समय 3 घंटे

कंठ - गायन

पूर्णांक - 85
आं.मू. 15

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धांतिक

301 व्यावहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

प्र01. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन –

दरबारी, पूरिया धनाश्री, अभोगी कान्हड़ा,
बिलासखानी तोड़ी, भूपाल तोड़ी, गोरख कल्याण |

प्र-2. निम्नलिखित तालों के ठेके को, ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ लय में लिपिबद्ध करना |

शिखर, अष्टमंगल, चौताल, रुद्र |

प्र.3. पाठ्यक्रम के रागों में विलंबित एवं मध्यलय की बंदिशों की स्वरलिपि लेखन का अभ्यास | आलाप एवं तानों तथा तोड़ों को स्वरलिपि बद्ध करने का अभ्यास |

प्र.4. अ. नोटेशन पद्धतियों का विकास एवं विस्तृत अध्ययन |

ब. प्राचीन एवं मध्यकालीन निबद्ध का अभ्यास |

प्र.5 अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के चालीस सिद्धांत |

ब. मार्गी एवं देशी संगीत का वर्णन |

एम० ए० तृतीय सेमेस्टर- दिसंबर - 2021

समय
3 घंटे।

कंठ - गायन
द्वितीय प्रश्न पत्र — सैद्धांतिक

पूर्णांक - 85
आ० मू० - 15

302 ध्वनि शास्त्र, रचना सिद्धांत एवं निबंध लेखन

ई.1. ध्वनि का अर्थ उत्पत्ति तथा कंठ स्वर संस्थान की जानकारी।

ई.2 - वाद्यों की ऐतिहासिक जानकारी- उत्पत्ति, विकास और महत्व — मत्तकोकिला, एकतंत्री, त्रितंत्री, किन्नरी, वीणाएं, सितार, सरोद, सारंगी।

ई.3. हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत पद्धतियों के स्वर, राग एवं गीत प्रकारों का तुलनात्मक अध्ययन।

ई.4. गीत रचना के सिद्धांत एवं दिये गये पदों एवं बोलों को पाठ्यक्रम के तालों में निबद्ध करने का अभ्यास।

ई.5. निबंध लेखन कार्य — किसी भी एक विषय पर — रस संगीत, पाश्चात्य संगीत, स्वर प्रस्तार, नाट्योदित प्रकरण, सुगम संगीत।

एम. ए० तृतीय सेमेस्टर – दिसंबर – 2021

कंठ गायन

समय
1 घंटा

प्रायोगिक
100

तृतीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक

303 राग गायन वादन

ई.1 – विस्तृत अध्ययन के राग –
दरबारी, पूरिया धनाश्री, अभोगी कान्हड़ा, बिलासखानी तोड़ी,
जोग, गोरख कल्याण।

उपर्युक्त रागों में से किन्हीं दो रागों में पूर्ण दक्षता के साथ गायन का अभ्यास एवं शेष रागों का सामान्य अध्ययन।

ई.2. सामान्य अध्ययन के राग –
हंस ध्वनि, जोगिया, वसंत मुखारी, हिंडोल, भूपाल तोड़ी,
कोमल रिषभ आसावरी में 4 द्रुत रचनाओं का अभ्यास।

(हस्ताक्षर)

एम० ए० तृतीय सेमेस्टर - दिसंबर - 2021

कंठ गायन

समय 1 घंटा

पूर्णांक - 100

चतुर्थ प्रश्न पत्र - प्रायोगिक

304 - मंच प्रदर्शन

अ. आमंत्रित श्रोता दर्शकों के समक्ष अपनी पसंदीदा किसी भी एक राग में दक्षता पूर्ण गायन प्रस्तुत करना।

ब. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के किसी राग का गायन कर सुनाना।

स. किसी राग में - तराना, तिरवट, चतुरंग, ठुमरी, दादरा गायकी की प्रस्तुतिकरण।

हस्ताक्षर

एम॰ ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर – जून 2022

समय 3 घंटे

कंठ-गायन

पूर्णांक – 85

आंतरिक मू॰ 15

प्रथम प्रश्न पत्र – सैद्धांतिक

401 - व्यावहारिक एवं क्रियात्मक संगीत शास्त्र

ई. 1. निम्नलिखित रागों का विवेचनात्मक अध्ययन – विभास, मधुवंती, पूरिया कल्याण, चन्द्रकौंस, भटियार, जोगकौंस।

ई. 2. निम्नलिखित तालों के ठेकों को ठाह, आड़, कुआड़, बिआड़ में लिपिबद्ध करना।

ई. 3. पाठ्यक्रम के उपर्युक्त रागों में विलंबित एवं मध्य लय की बंदिशों को स्वरलिपि बद्ध करने का अभ्यास आलाप, तान एवं तोड़ो सहित।

ई. 4. संगीत, छन्दशास्त्र और ताल का अध्ययन तथा पारस्परिक संबंध।

ई. 5. दिये गये पदों को उचित ताल एवं पाठ्यक्रम के रागों में स्वरलिपिबद्ध करना।

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर – जून 2022

समय: 3 घंटे

कंठ गायन

पूर्णांक – 85

आन्तरिक 15

द्वितीय प्रश्न पत्र – सैद्धांतिक

402, ध्वनिशास्त्र, रचना सिद्धांत एवं निबंधलेखन

ई.1 नाद, सहायक नाद, स्वयंभू नाद, कर्ण की बनावट एवं श्रवण सिद्धांत का अध्ययन।

ई.2 भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण एवं महत्व का अध्ययन।

ई.3 – नोटेशन पद्धतियों का विकास एवं विस्तृत अध्ययन।

ई.4. गीत रचना के सिद्धांत एवं दिये गये पदों को उपयुक्त (पाठ्यक्रम) के रागों में ताल के अनुसार निबद्ध करना।

ई.5. संगीत से संबंधित विषयों पर निबंध –
भारतीय संगीत, पाश्चात्य संगीत, संगीत में रस का महत्व, संगीत शिक्षण पद्धति में गुरु-शिष्य परम्परा, संस्थागत संगीत शिक्षण का महत्व।

एम० ए० चतुर्थ सेमेस्टर – जून 2022

समय 1 घंटा

कंठ गायन

पूर्णांक 100

तृतीय प्रश्न पत्र – प्रायोगिक

403 राग गायन - धारावा

प्र. 1. विस्तृत अध्ययन के राग –

विभास, मधुवंती, पूरिया कल्याण, चंद्रकौंस, भटियार, जोग कौंस।

उपर्युक्त रागों में किन्हीं भी दो रागों में विलंबित एवं द्रुत रचनाओं का गायन।

प्र. 2. सामान्य अध्ययन के राग –

पूरिया, धानी, बसंत, ललित, नंद, नटभैरव का सामान्य अध्ययन एवं द्रुत रचनाओं का गायन।

प्र. 3. पाठ्यक्रम के तालों को ताल लगाना।

[signature]

एम॰ ए॰ चतुर्थ सेमेस्टर - जून 2022

कं॰ठ गायन

समय 1 घंटा — चतुर्थ प्रश्न - प्रायोगिक — पूर्णांक 100

404 - मंच प्रदर्शन

अ. आमंत्रित श्रोता दर्शकों के समक्ष अपने पसंद का किसी भी एक राग में दक्षता पूर्ण स्वतंत्र गायन करना।

ब. परीक्षक द्वारा पूछे गये पाठ्यक्रम के रागों में गायन करने क्षमता।

स. ~~[illegible]~~ निम्नलिखित में से किसी एक राग में ध्रुपद, तिरवट, चतुरंग, ठुमरी, टप्पा आदि गायिकी का अभ्यास — देशकार, शंकरा, तिलककामोद, ~~[illegible]~~ भैरव, छायानट।

[signature]